चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.2.26	3	3-6

• एचएयू में स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कॉन्क्लेव

वैज्ञानिकों के अनुसंधान शोध पत्रों तक सीमित न रहकर समाज की भलाई के लिए हों : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी कॉलेज में एग्री साइंस, इन्नोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आए तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान तथा सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा। जलवायु-लचीली किस्मों का विकास, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तकनीकें, सटीक कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक विधियां आज सतत कृषि की आधारशिला बन रही हैं।

विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने बताया कि इस साइंस कॉन्क्लेव के माध्यम से वैज्ञानिकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों के बीच जो संवाद स्थापित हुआ है। कुरुक्षेत्र विवि से डॉ. अंकलेश्वर ने स्वदेशी फाउंडेशन 'फॉर विकसित भारत- 2047 विषय पर अपने व्याख्यान में स्वदेशी सोच, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा एवं अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा से डॉ. फेलिक्स बास्ट ने अंटार्कटिका की ए वर्चुअल टूर टू अंटारिटिका एंड वाए मिशिन लाइफ ईज द ऑन्ली वे टू सेव व्हाईट कांटिनेंट, विषय पर अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी।

एचएयू में आयोजित साइंस कॉन्क्लेव के समापन अवसर पर विजेताओं को सम्मानित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर ब्लूमिंग डेल्स स्कूल

पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर ब्लूमिंग डेल्स स्कूल, हिसार के रूद्र प्रथम तथा मोगा देवी मिंदा मेमोरियल स्कूल, हिसार से अग्रिम द्वितीय स्थान पर रहे। कॉलेज स्तर पर कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलोजी से सिमरन प्रथम व सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार से उमंग तथा एफसी कॉलेज फॉर वुमन, हिसार से निहारिका द्वितीय स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर कैंपस स्कूल से ज्योति यादव, रिद्धि मित्तल, भुवनेश प्रथम एवं ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकंडरी मॉडल स्कूल, हिसार से प्रियंका शर्मा व विकास शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार के कॉलेज स्तर पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के पीएचडी छात्र कमलजीत, विशाल, मनोज तथा पीजी के रुशाली विकास विश्वासरो, पूजा कुरानिंग, हिमांशी प्रथम और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल के आदित्य मोहली, अमन, कमलजीत, प्रकृति व ओडीएम कॉलेज, हिसार से निशा, नीतू एवं दीपिका द्वितीय स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल के प्रभप्रीत सिंह प्रथम व कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की खुशी शर्मा या सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार की तन्वी द्वितीय स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.2.26	2	1-5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में साइंस कॉन्क्लेव संपन्न, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बोले

वैज्ञानिकों के शोध लैब से किसानों तक पहुंचे

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 के समापन अवसर पर मंगलवार को कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि वैज्ञानिकों के शोध लैब से किसानों तक पहुंचने चाहिए।

प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आने चाहिए, तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान और सतत कृषि को बढ़ावा मिल सकेगा।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. कांबोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, घटते जल संसाधन, मृदा उर्वरता में कमी और बढ़ती उत्पादन लागत प्रमुख चुनौतियां हैं। इनके समाधान के लिए नवाचार, तकनीकी उन्नति और शोध आवश्यक हैं।

विशिष्ट अतिथि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी आकाश पांडे ने कहा कि कॉन्क्लेव से वैज्ञानिकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों के बीच संवाद को नई दिशा मिली है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. अंकलेश्वर ने युवाओं को स्वदेशी तकनीकों के प्रति प्रेरित किया।

एचएयू में साइंस कॉन्क्लेव के विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. कांबोज। स्रोत संस्थान

प्रतियोगिताओं के परिणाम

पोस्टर मेकिंग (स्कूल वर्ग)

प्रथम: रुद्र – ब्लूमिंग डेल्स स्कूल, हिसार

द्वितीय: अग्रिम – मोगा देवी भिंडा मेमोरियल स्कूल, हिसार

पोस्टर मेकिंग (कॉलेज वर्ग)

प्रथम: सिमरन – कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, एचएयू

द्वितीय: उमंग – सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार

मॉडल मेकिंग (स्कूल वर्ग)

प्रथम: ज्योति यादव, रिद्धि मित्तल, भुवनेश – कैंपस स्कूल, एचएयू

द्वितीय: प्रियंका शर्मा, विकास शर्मा – ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल, हिसार

मॉडल मेकिंग (कॉलेज वर्ग)

प्रथम: कमलजीत, विशाल, मनोज, रुशाली, विकास विश्वासरो, पूजा कुरानिंग, हिमांशी – कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस

द्वितीय: आदित्य मोहली, अमन, कमलजीत, प्रकृति – कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल (रेवाड़ी)

द्वितीय: निशा, नीतू, दीपिका – ओडीएम कॉलेज, हिसार

भाषण प्रतियोगिता

प्रथम: प्रभप्रीत सिंह – कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल (रेवाड़ी)

द्वितीय: खुशी शर्मा – कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, एचएयू

द्वितीय: तनवी – सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार

स्लोगन प्रतियोगिता (स्कूल वर्ग)

प्रथम: भूमन्यु – सीआर पब्लिक स्कूल, हिसार

द्वितीय: नव्या – लाहौरिया स्कूल, हिसार

द्वितीय: प्रांजल – ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल, हिसार

स्लोगन प्रतियोगिता (कॉलेज वर्ग)

प्रथम: हीनू – एफसी कॉलेज, हिसार

द्वितीय: गुरु गोरखनाथ जी गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार

रंगोली प्रतियोगिता (स्कूल वर्ग)

प्रथम: राजन, मुस्कान, अग्रिम – एमडीएम मेमोरियल स्कूल, हिसार

द्वितीय: अंकित, आस्था, भाविका – सेंट मैरी स्कूल, हिसार

रंगोली प्रतियोगिता (कॉलेज वर्ग)

प्रथम: कोमल रानी, प्रियंका, अर्चना – कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस

द्वितीय: अग्रीनी रत्ना, मनोज, कामिया – कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	25.2.26	11	2-6

हकृवि में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कॉन्क्लेव संपन्न

समाज के भले के लिए किए जाएं वैज्ञानिक अनुसंधान: प्रो. काम्बोज

साइंस कॉन्क्लेव में विद्यार्थियों ने किया आधुनिक तकनीक पर आधारित अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन

- प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न स्कूलों-कॉलेजों के विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में एग्री साइंस, इन्नोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल्ल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

हिसार। विजेताओं को सम्मानित करते मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

स्लोगन में एफसी कॉलेज से हीनू प्रथम

भाषण में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल के प्रभप्रीत सिंह प्रथम व कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की खुशी शर्मा या सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार की तन्वी द्वितीय स्थान पर रहे। स्लोगन में स्कूल स्तर पर सीआर पब्लिक स्कूल हिसार से भूमन्यु प्रथम एवं लाहोरिया स्कूल हिसार से नव्या व ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल हिसार से प्रांजल द्वितीय स्थान पर रहे। कॉलेज स्तर पर एफसी कॉलेज से हीनू प्रथम व गुरु गोरखनाथ जी गवर्नमेंट कॉलेज हिसार से सुप्रिय तथा ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार से मोरवी द्वितीय स्थान पर रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। इस मौके पर स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक पर आधारित अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया है।

इस प्रकार रहे स्पर्धाओं के परिणाम

पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर ब्लूमिंग डेल्स स्कूल, हिसार के रुद्र प्रथम तथा मोगा देवी मिंढा मेमोरियल स्कूल, हिसार से अग्रिम द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कॉलेज स्तर पर कालेज ऑफ बायोटेक्नोलोजी से सिमरन प्रथम व सीआरएम जाट कालेज, हिसार से उमंग तथा एफसी कालेज फॉर वुमन, हिसार से निहारिका द्वितीय स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर कैंपस स्कूल से ज्योति यादव, रिद्धि मित्तल, भुवनेश प्रथम एवं ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल, हिसार से प्रियंका शर्मा व विकास शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार के कॉलेज स्तर पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के पीएचडी छात्र कमलजीत, विशाल, मनोज तथा पीजी के रुशाली विकास विश्वासरो, पूजा कुरानिंग, हिमांशी प्रथम और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल के आदित्य मोहली,, अमन, कमलजीत, प्रकृति व ओडीएम कॉलेज, हिसार से निशा, नीतू एवं दीपिका द्वितीय स्थान पर रहे।

एमडीएम स्कूल के छात्रों की रंगोली सबसे सुंदर

रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर एमडीएम मेमोरियल स्कूल हिसार से राजन, मुस्कान, अग्रिम प्रथम व सेंट मैरी स्कूल, हिसार से अंकित, आस्था, भाविका द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कॉलेज स्तर पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के पीएचडी स्टूडेंट कोमल रानी, प्रियंका, अर्चना या ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार से यूजी स्टूडेंट सोनिका, आंचल, राहुल प्रथम स्थान पर रहें व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के यूजी स्टूडेंट अग्रीनी रत्ना, मनोज, कामिया द्वितीय स्थान पर रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.2.26	3	5-6

वैज्ञानिकों के अनुसंधान शोध पत्रों तक सीमित न रहकर समाज की भलाई के लिए हों: प्रो. काम्बोज

हकृवि में साइंस कॉन्क्लेव का हुआ समापन

मुख्य अतिथि प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 24 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आए तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान तथा सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा।

विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने भी इस कॉन्क्लेव में अपने विचार रखते हुए विज्ञान से जुड़े तथ्यों के बारे में बताया तथा भारत में हुए ऐतिहासिक अविष्कारों के बारे में भी अवगत कराया। साइंस कॉन्क्लेव-2026 के दौरान देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिए गए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. अंकलेश्वर ने स्वदेशी फाउंडेशन फॉर विकसित भारत- 2047 विषय पर अपने व्याख्यान में स्वदेशी सोच, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा एवं अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। केन्द्रीय विश्वविद्यालय भटिंडा से डॉ. फेलिक्स बास्ट ने अंटार्कटिका की ए वर्चुअल टूर टू अंटारिटिका एंड वाए मिशिन लाइफ ईज द ऑन्ली वे टू सेव व्हाईट कांटिनेंट, विषय पर अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कुरूक्षेत्र से डॉ गौरव सैनी ने आईओटी: एन एग्रीकल्चर परिसपेक्टिव विषय पर अपने व्याख्यान में कृषि क्षेत्र में स्मार्ट खेती, सटीक कृषि तकनीकों एवं डिजिटल नवाचार की संभावनाओं को विस्तार से समझाया।

उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया तथा दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव की विस्तृत रिर्पोट प्रस्तुत की। विज्ञान फॉर्म के सेक्रेटरी डॉ. रजनीकांत शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ कनिका ने मंच का संचालन किया। साइंस कॉन्क्लेव में स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.2.26	5	1-3

वैज्ञानिकों के अनुसंधान शोध पत्रों तक सीमित न रहकर समाज की भलाई के लिए हों : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 24 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में एग्री साइंस, इन्नोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सैक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आए तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान तथा सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यातिथि विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

हकृवि में साइंस कॉन्क्लेव सम्पन्न

विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने भी इस कॉन्क्लेव में अपने विचार रखते हुए विज्ञान से जुड़े तथ्यों के बारे में बताया तथा भारत में हुए ऐतिहासिक अविष्कारों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस साइंस कॉन्क्लेव के माध्यम से वैज्ञानिकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों के बीच जो संवाद स्थापित हुआ है, वह निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगा। यहाँ प्रस्तुत किए गए शोध एवं विचार भविष्य में व्यवहारिक समाधान के रूप में सामने आएंगे। साइंस कॉन्क्लेव-2026 के दौरान देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिए गए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. अंकलेश्वर ने स्वदेशी फाउंडेशन फॉर विकसित भारत- 2047 विषय पर अपने व्याख्यान में स्वदेशी सोच, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा एवं अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया तथा दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव की विस्तृत रिर्पोट प्रस्तुत की। विज्ञान फॉर्म के सेक्रेटरी डॉ. रजनीकांत शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ कनिका ने मंच का संचालन किया। पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर ब्लूमिंग डेल्स स्कूल, हिसार के रूद्र प्रथम तथा मोगा देवी मिंदा मेमोरियल स्कूल, हिसार से अग्रिम द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कॉलेज स्तर पर कालेज ऑफ बायोटेक्नोलोजी से सिमरन प्रथम व सीआरएम जाट कालेज, हिसार से उमंग तथा एफसी कालेज फॉर वुमन, हिसार से निहारिका द्वितीय स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर कैंपस स्कूल से ज्योति यादव, रिद्धि मित्तल, भुवनेश प्रथम एवं ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल, हिसार से प्रियंका शर्मा व विकास शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कॉलेज स्तर पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के पीएचडी स्टूडेंट कोमल रानी, प्रियंका, अर्चना या ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार से यूजी स्टूडेंट सोनिका, आंचल, राहुल प्रथम स्थान पर रहें व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के यूजी स्टूडेंट अग्रीनी रत्ना, मनोज, कामिया द्वितीय स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.02.2026	--	--

वैज्ञानिकों के अनुसंधान समाज की भलाई के लिए हों : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आए तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान तथा सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा। भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमारी अर्थव्यवस्था, हमारी संस्कृति और हमारी खाद्य सुरक्षा कृषि पर आधारित है। लेकिन आज कृषि क्षेत्र अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसमें जलवायु परिवर्तन, घटते जल संसाधन, मृदा की उर्वरता में कमी और उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से शामिल है। इन चुनौतियों का समाधान केवल परंपरागत तरीकों से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए विज्ञान-आधारित नवाचार, तकनीकी उन्नति और शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हकृवि सदैव अनुसंधान, नवाचार और किसान-हितैषी तकनीकों के विकास में अग्रणी रहा है। जलवायु-लचीली किस्मों का विकास, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तकनीकें, सटीक कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक विधियाँ आज सतत कृषि की आधारशिला बन रही हैं।

कुलपति ने कहा कि सतत कृषि का अर्थ केवल अधिक उत्पादन नहीं, बल्कि कम संसाधनों में अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि है। हमें ऐसी कृषि प्रणाली विकसित करनी है, जो आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा कर सके। उन्होंने शोधार्थियों और विद्यार्थियों से कहा कि आप ही भविष्य के वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और एग्री-उद्यमी हैं। आपकी नई सोच, स्टार्टअप पहल और तकनीकी नवाचार भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक कृषि नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाएंगे।

विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने अपने विचार रखते हुए विज्ञान से जुड़े तथ्यों के बारे में बताया तथा भारत में हुए ऐतिहासिक अविष्कारों के बारे में भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इस साइंस कॉन्क्लेव के माध्यम से वैज्ञानिकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों के बीच जो संवाद स्थापित हुआ है, वह निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगा। यहाँ प्रस्तुत किए गए शोध एवं विचार भविष्य में व्यावहारिक समाधान के रूप में सामने आएंगे।

साइंस कॉन्क्लेव-2026 के दौरान देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिए गए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. अंकलेश्वर ने स्वदेशी फाउंडेशन फॉर विकसित भारत-2047 विषय पर अपने व्याख्यान में स्वदेशी सोच, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा एवं अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को नवाचार और स्वदेशी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में केन्द्रीय विश्वविद्यालय भटिंडा से डॉ. फेलिक्स बास्ट ने अंटार्कटिका की ए. वर्चुअल टूर टू अंटार्कटिका एंड व्हाट लिविंग लाइफ इज द ऑन्ली वे टू सेव व्हाइट कॉन्टिनेंट, विषय पर अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कुरुक्षेत्र से डॉ गौरव सैनी ने आईओटी: एन एप्लिकेशन पर्सपेक्टिव विषय पर अपने व्याख्यान में कृषि क्षेत्र में स्मार्ट खेती, सटीक कृषि तकनीकों एवं डिजिटल नवाचार की संभावनाओं को विस्तार से समझाया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विज्ञान फोरम के सेक्रेटरी डॉ. रजनीकांत शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ कनिका ने मंच का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	25.02.2026	--	--

एचएयू में आयोजित साइंस कॉन्क्लेव का समापन

वैज्ञानिकों के अनुसंधान शोध पत्रों तक सीमित न रहकर समाज की भलाई के लिए हों : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 25 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में आयोजित एग्री साइंस न इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषयक साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 का समापन हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों के शोध केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर 'लैब से लैंड' तक पहुंचने चाहिए। विकसित तकनीकें और नवाचार सीधे किसानों व समाज के उपयोग में आएं, तभी आय में वृद्धि और सतत कृषि संभव है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, घटते जल संसाधन और मृदा उर्वरता जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान-आधारित नवाचारों की आवश्यकता पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने विज्ञान के ऐतिहासिक योगदान और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। विभिन्न विशेषज्ञों ने स्वदेशी तकनीक, अंटार्कटिका पर शोध तथा कृषि में आईओटी जैसी आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान दिए।

कॉन्क्लेव में स्कूल व कॉलेज स्तर की पोस्टर, मॉडल, भाषण, स्लोगन व रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	24.02.2026	--	--

वैज्ञानिकों के अनुसंधान शोध पत्रों तक सीमित न रहकर समाज की भलाई के लिए हों: प्रो. काम्बोज

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में एग्री साइंस, इन्नोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर साइंस कॉन्क्लेव 2025-26 संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विज्ञान भारती नॉर्थ जोन के रीजनल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, आकाश पांडे विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। प्रयोगशालाओं में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार केवल शोध-पत्रों तक सीमित न रहकर सीधे किसानों, उद्योगों और समाज के उपयोग में आए तभी किसानों की आय में वृद्धि, समस्याओं का व्यावहारिक समाधान तथा सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा। भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमारी अर्थव्यवस्था, हमारी संस्कृति और हमारी खाद्य सुरक्षा कृषि पर आधारित है। लेकिन आज कृषि क्षेत्र अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसमें जलवायु परिवर्तन, घटते जल संसाधन, मृदा की उर्वरता में कमी और उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से शामिल हैं।

इन चुनौतियों का समाधान केवल परंपरागत तरीकों से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए विज्ञान-आधारित नवाचार, तकनीकी उन्नति और शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हकृवि सदैव अनुसंधान, नवाचार और किसान-हितैषी तकनीकों के विकास में अग्रणी रहा है। जलवायु-लचीली किस्मों का विकास, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तकनीकें, सटीक कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक विधियाँ आज सतत कृषि की आधारशिला बन रही हैं। कुलपति ने कहा कि सतत कृषि का अर्थ केवल अधिक उत्पादन नहीं, बल्कि कम संसाधनों में अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि है। हमें ऐसी कृषि प्रणाली विकसित करनी है, जो आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा कर सके। उन्होंने शोधार्थियों और विद्यार्थियों से कहा कि आप ही भविष्य के वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और एग्री-उद्यमी हैं। आपकी नई सोच, स्टार्टअप पहल और तकनीकी नवाचार भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक कृषि नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाएंगे। विशिष्ट अतिथि आकाश पांडे ने भी इस कॉन्क्लेव में अपने विचार रखते हुए विज्ञान से जुड़े तथ्यों के बारे में बताया तथा भारत में हुए ऐतिहासिक अविष्कारों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस साइंस कॉन्क्लेव के माध्यम से वैज्ञानिकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों के बीच जो संवाद स्थापित हुआ है, वह निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.2.26	3	8

लाडवा में चलाया स्वच्छता अभियान

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से मंगलवार को निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर गांव के वातावरण को स्वच्छ व स्वस्थ बनाना है।

विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से स्वच्छता रैली निकालकर लोगों को घरों, आसपास के क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया। 'स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव' जैसे नारों के माध्यम से स्वच्छता का महत्व बताया गया। अभियान के तहत गांव की गलियों व सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया गया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.2.26	5	3-4

हकृवि ने लाडवा में चलाया स्वच्छता अभियान

हिसार, 24 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना था। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल के मार्गदर्शन में छात्रों एवं ग्रामीणों ने मिलकर स्वच्छता रैली के माध्यम लोगों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के तहत् विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की और कुड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि दैनिक जीवन की आदत होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर आंगन और आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। स्वच्छता अभियान को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला और पूरे गांव में सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत लाडवा गांव में दूसरे समूह के विद्यार्थियों द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत वस्त्र देखभाल पर व्याख्यान एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने लोगों को जागरूकता रैली के माध्यम से किया प्रेरित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	25.2.26	11	7-8

हकृवि विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना था। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल के मार्गदर्शन में छात्रों एवं ग्रामीणों ने मिलकर स्वच्छता रैली के माध्यम लोगों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के तहत विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की और कुड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि दैनिक जीवन की आदत होनी चाहिए।कार्यक्रम का समापन स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत लाडवा गांव में दूसरे समूह के विद्यार्थियों द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत वस्त्र देखभाल पर व्याख्यान एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.2.26	3	7-8

लाडवा में चलाया गया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता के प्रति जागरूक करती छात्राएं

हिसार, 24 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना था। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल के मार्गदर्शन में छात्रों एवं ग्रामीणों ने मिलकर स्वच्छता रैली के माध्यम लोगों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.02.2026	--	--

हकृवि विद्यार्थियों ने गांव लाडवा में चलाया गया स्वच्छता अभियान

हिसार।चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना था। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल के मार्गदर्शन में छात्रों एवं ग्रामीणों ने मिलकर स्वच्छता रैली के माध्यम लोगों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के तहत् विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की और कुड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि दैनिक जीवन की आदत होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर आंगन और आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। स्वच्छता अभियान को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला और पूरे गांव में सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत लाडवा गांव में दूसरे समूह के विद्यार्थियों द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत वस्त्र देखभाल पर व्याख्यान एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	24.02.2026	--	--

हकृवि द्वारा गांव लाडवा में चलाया गया स्वच्छता अभियान

» ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने लोगों को जागरूकता रैली के माध्यम से किया प्रेरित

दक्ष दर्पण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा निकटवर्ती गांव लाडवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना था। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. प्रोमिला चहल और डॉ. राखी दलाल के मार्गदर्शन में छात्रों एवं ग्रामीणों ने मिलकर स्वच्छता रैली के माध्यम लोगों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के तहत् विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की और कुड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि दैनिक जीवन की आदत होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर आंगन और आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। स्वच्छता अभियान को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला और पूरे गांव में सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत लाडवा गांव में दूसरे समूह के विद्यार्थियों द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत वस्त्र देखभाल पर व्याख्यान एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।